1

UPSC : सिविल सेवा परीक्षा

GS Paper – III : INTERNAL SECURITY

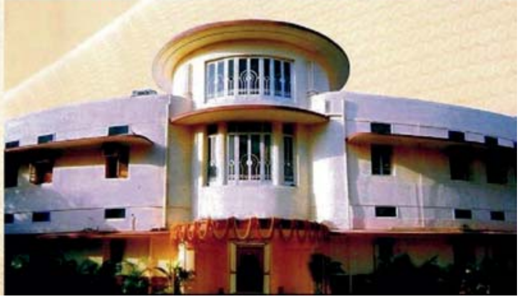

2

Linkages of Organized Crime with Terrorism

3

UPSC - CSE

में पूछे गए प्रश्न

4

- सीमा पार से शत्रुओं द्वारा हथियार/गोला-बारूद, ड्रग्स आदि मानवरहित हवाई वाहनों (यू.ए.वी.) की मदद से पहुँचाया जाना हमारी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। इस खतरे से निपटने के लिए किए जा रहे उपायों पर टिप्पणी कीजिए। 150/10/2023

  The use of unmanned aerial vehicles (UAVs) by our adversaries across the borders to ferry arms / ammunitions, drugs, etc., is a serious threat to the internal security. Comment on the measures being taken to tackle this threat. 150/10/2023

5

- संगठित अपराधों के प्रकारों की चर्चा कीजिए। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मौजूद संगठित अपराध और आतंकवादियों के बीच संबंधों का वर्णन कीजिए। 150/10/2022

  Discuss the types of organised crimes. Describe the linkages between terrorists and organised crime that exist at the national and transnational levels. 150/10/2022

6

- आतंकवाद की जटिलता और तीव्रता, इसके कारणों, सम्बन्धों तथा अप्रिय गठजोड़ का विश्लेषण कीजिए। आतंकवाद के खतरे के उन्मूलन के लिए उठाए जाने वाले उपायों का भी सुझाव दीजिए। 15/250/2021

  Analyse the complexity and intensity of terrorism, its causes, linkages and obnoxious nexus. Also suggest measures required to be taken to eradicate the menace of terrorism. 15/250/2021

7

- संसार के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उगाने वाले राज्यों से भारत की निकटता ने भारत की आंतरिक सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। नशीली दवाओं के अवैध व्यापार एवं बंदूक बेचने, गुपचुप धन विदेश भेजने और मानव तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों के बीच कड़ियों को स्पष्ट कीजिए। इन गतिविधियों को रोकने के लिए क्या-क्या प्रतिरोधी उपाय किए जाने चाहिए? 2018

  India's proximity to two of the world's biggest illicit opicum-growing states has enhanced her internal security concerns. Explain the linkages between drug trafficking and other illicit activities such as gunrunning, money laundering and human trafficking. What counter- measures should be taken to prevent the same? 2018

8

9

संगठित अपराध का आतंकवाद के साथ संबंध

10

संगठित अपराध एवं आतंकवाद

- आतंकवाद
  - भारत में आतंकवाद का अर्थ एवं स्वरूप
- संगठित अपराध
  - संगठित अपराध का अर्थ एवं लक्षण
  - भारत में संगठित अपराध का स्वरूप
- संबंध
  - वित्तीय आधार पर
  - लॉजिस्टिकल आधार पर
  - ऑपरेशनल आधार पर
  - वैचारिक आधार पर
- उपाय
- बाधाएँ
- सुझाव

11

आतंकवाद का अर्थ

12

व्यक्तियों के समूह द्वारा आतंक उत्पन्न करके सामूहिक लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास आतंकवाद कहलाता है

13

भारत में आतंकवाद का स्वरूप

14

1.

राष्ट्रवादी आतंकवाद

15

2.

धार्मिक आतंकवाद

16

3.

वामपंथी आतंकवाद

17

4.

नशा/नार्को आतंकवाद

18

संगठित अपराध का अर्थ

19

व्यक्तियों के एक वृहद समूह द्वारा, संगठन के रूप में अपराधिक गतिविधियों का संचालन संगठित अपराध कहलाता है

20

D कंपनी की सांगठनिक संरचना

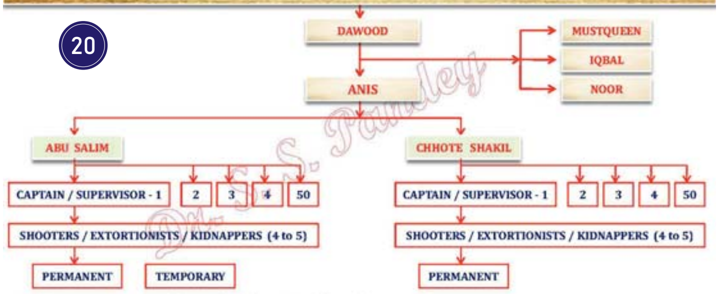

1. PERMANENT MEMBERS PAID ON MONTHLY BASIS - work or no work
2. TEMPORARY MEMBERS PAID ON JOB BASIS
3. WEAPONS ISSUED THROUGH INTERMEDIARIES FRO JOBS AND RETURNED WHEN JOB IS OVER.

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform

21

ORGANISATIONAL CHART of D Company

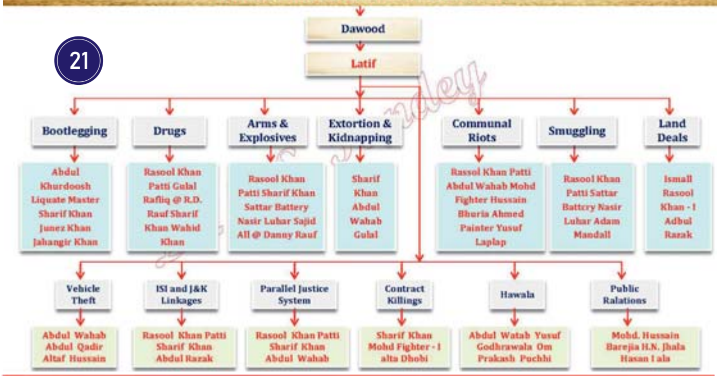

26

भारत में संगठित अपराध का स्वरूप /प्रकार

22

संगठित अपराध के लक्षण

27

23

1. निरंतरता
2. औपचारिक संरचना
3. सदस्यता
4. अपराध द्वारा आय

28

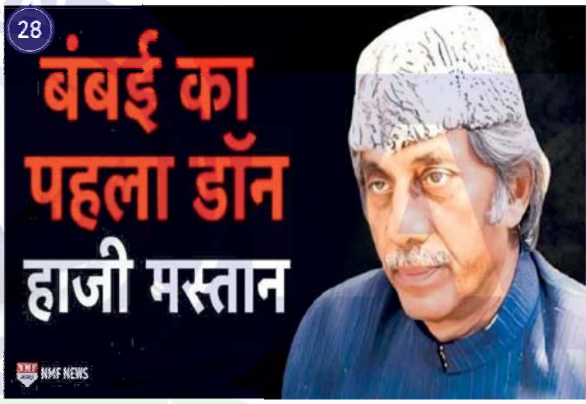

हाजी मस्तान

24

5. हिंसा, धमकी एवं शक्ति प्रदर्शन
6. संरक्षण
7. उद्यम के रूप में संचालन

29

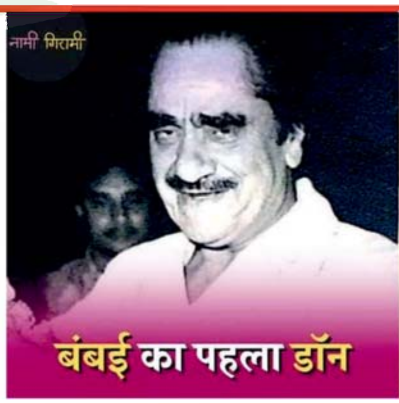

करीम लाला

25

संगठित अपराध मुख्यत: तीन प्रकार से होते हैं–

1. गिरोह अपराध (Gang Crime)
2. जबरन वसूली (Extortion)
3. सींडिकेट अपराध (Syndicate Crime)

30

वरदराजन मुदलियार

31

दाऊद इब्राहिम

(7000)

36

हसन अली खान

32

अरूण गवली

37

अदनान खसोगी

33

छोटा राजन

38

खुन सा

34

अब्दुल लतीफ

39

विक्की गोस्वामी

35

FACTFILE

Case: Bowbazar blast

Date: March 16, 1993

Casualties: 69

Main accused: Rashid Khan

Booked under: Tada

Punishment: Life imprisonment

राशिद खान

40

हरिकेश कुमार रमन लाल पटेल उर्फ डर्टी हैरी

41

लॉरेंस बिश्नोई

46

(ii)

NCRB के अनुसार, 2011 से जून, 2014 तक 3.25 लाख बच्चे लापता जिसमें 55% लड़कियाँ

42

भारत में संगठित अपराध का स्वरूप / प्रकार

47

(iii)

भारत में वैश्याएँ - 1 लाख मुम्बई, 1 लाख कलकत्ता, 40 हजार दिल्ली में, जिनमें 70% तस्करी के द्वारा लायी गयी हैं

43

1.

ड्रग्स तस्करी एवं अवैध मादक द्रव्य / शराब का व्यापार

(छोटा राजन - 800, दाऊद इब्राहिम - 7000, हाजी सलीम 8000)

48

(iv)

अक्टूबर, 2014 में उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सरकार से बच्चों की तस्करी रोकने के लिए सख्त कदम उठाने एवं एक एजेंसी का निर्माण करने का निर्देश दिया

44

2.

वैश्यावृत्ति एवं मानव तस्करी

(हरिकेश कुमार रमन लाल पटेल उर्फ डर्टी हैरी-2000

(अब्दुल कादिर (मुंबई) - 800)

49

3.

हथियारों की तस्करी

(सऊदी अरब का अदनान खसोगी, वाराणसी का आफताब अंसारी 500)

45

(i)

एशिया में मानव तस्करी में भारत पहले स्थान पर एवं भारत में महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर है

50

4.

हवाला एवं मनी-लॉन्ड्रिंग

(हसन अली खान (हैदराबाद) - 550)

51

5.

जबरन वसूली, अपहरण, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग
(छोटा राजन - 800)
(आफताब अंसारी - 700)
(अरुण गवाली (मुंबई का नेता– अखिल भारतीय सेना) - 2000 / 3000)
(लॉरेंश बिश्नोई - 2000)

52

6.

जुआ / सट्टा माफिया
(राशिद खान (कलकत्ता) - 600, वरदराजन मुदलियार (मुंबई) - 400)

53

संगठित अपराध एवं आतंकवाद के मध्य संबंध

54

इन दोनों के मध्य के संबंधों को निम्न बिंदुओं के अंतर्गत देखा जा सकता है–

55

1.
वित्तीय आधार पर संबंध

56

जब आतंकवादी एवं संगठित अपराधी वित्तीय हितों की पूर्ति हेतु एक दूसरे से जुड़ते हैं। भारत में इनके निम्न रूप हैं–

1. हथियारों की तस्करी
2. ड्रग्स की तस्करी
3. वैश्यावृत्ति
4. मानव तस्करी
5. मनी-लॉन्ड्रिंग / हवाला

57

उदाहरण– आफताब अंसारी का अजहर मसूद से संबंध जो हथियार के बदले पैसे लेता था – CBI

उदाहरण– म्यांमार का ड्रग्स माफिया Khun Sa के साथ NSCN, ULFA एवं IM (Indian Mujahidin) के संबंधों का IB के द्वारा पुष्टि

58

उदाहरण– भारत में दाऊद इब्राहिम के लश्कर-ए-तैयबा से संबंध

उदाहरण– हसन अली खान का अदनान खसोगी के साथ संबंध की NIA द्वारा पुष्टि

59

2.
Logistical आधार पर संबंध

60

जब संगठित अपराधी एवं आतंकी संगठन, दोनों एक-दूसरे के क्रियाकलापों में सहयोगी की भूमिका में रहते हैं;
जैसे आतंकियों हेतु वाहन, आवास, पहचान पत्र उपलब्ध कराना या संगठित अपराधियों के लिए अन्य देशों में शरण सुविधा उपलब्ध कराना

61

उदाहरण– 2008 में मुम्बई बम विस्फोट में डी-कंपनी द्वारा आतंकियों हेतु नाव, आवास, गाड़ी, कागजात, मोबाईल उपलब्ध कराये गए (NIA)

उदाहरण– चाँदनी चौक के कॅवरनैन पथरीजा ने 2011 के मुंबई बम ब्लास्ट मामले में, दुबई से हवाला द्वारा 10 लाख रुपया प्राप्त किया तथा IM के आतंकी यासीन भटकल को दिया

66

वैचारिक साम्यता ने भी भारतीय संगठित अपराध को आतंकवाद से संबंधित किया है;

62

3.

ऑपरेशनल आधारित संबंध

67

उदाहरण– भारत के कश्मीरी आतंकवाद को खाड़ी देशों के संगठित अपराधियों (Dawa-al-Arshad - संगठित अपराधी / तस्कर) द्वारा वैचारिक साम्यता के आधार पर आर्थिक सहायता दिया गया (IB)

63

जब एक दूसरे के ऑपरेशन को प्रत्यक्ष रूप से पुरा करने हेतु, आंतकवादी एवं संगठित अपराधी एक-दूसरे से संबंधित रहते हैं

68

अक्टूबर 2024 NIA द्वारा पाकिस्तान का ड्रग्स तस्कर हाजी सलीम उर्फ लॉर्ड ऑफ ड्रग्स द्वारा लश्कर-ए-तैयबा को फंडिंग की पुष्टि

64

उदाहरण– अब्दुल लतीफ ने 1993 में, अयोध्या कांड के बाद दंगा हेतु हथियार दाऊद इब्राहिम से प्राप्त किया और बाद में इसको दंगा एवं मुंबई बम कांड में प्रयोग किया

उदाहरण– कलकत्ता के रसीद खान, जो 1993 के कलकत्ता बम धमाका का मुख्य अभियुक्त था, IM से संबंधित पाया गया- IB

69

संगठित अपराध एवं आतंकवाद के मध्य संबंध के दुष्परिणाम

65

4.

वैचारिक आधार पर संबंध

70

1. आतंकवाद को वित्तीय समर्थन एवं बढ़ावा

2. काला धन एवं भ्रष्टाचार में वृद्धि

3. मनी-लॉन्ड्रिंग एवं भारी आर्थिक क्षति

71

4. जान-माल की हानि एवं आर्थिक विकास को खतरा

5. अपराध में वृद्धि एवं विधि व्यवस्था पंगु

6. राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा खतरे में

7. मानव समाज / विश्व समाज को खतरा

72

आतंकवाद एवं संगठित अपराध के बीच संबंध का कारण

73

1. शीत युद्ध की समाप्ति, आतंकवादियों को मिलने वाले पैसे बंद फलतः वे संगठित अपराध की ओर उन्मुख

2. आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक युद्ध का ऐलान फलतः आतंकवादियों के आर्थिक स्रोत पर प्रहार फलतः वे संगठित अपराध की ओर उन्मुख

74

3. विश्व स्तर पर धार्मिक रूढ़िवाद में वृद्धि फलतः धार्मिक आतंकवाद में वृद्धि

4. वैश्वीकरण एवं धन के महत्व में वृद्धि फलतः संगठित अपराध का आतंकी संगठनों के साथ संबंध

75

5. वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के निहित स्वार्थ

6. आतंकवाद एवं संगठित अपराध को नियंत्रित करने वाले कारकों का कमजोर होना

76

नियंत्रण हेतु प्रयास

77

(a)

सामान्य कानून (वर्तमान में)

78

BNS की विभिन्न धाराएँ; जैसे-

303 (चोरी), 309 (लूट), 310 (डकैती) एवं 364(A) (हत्या के लिये अपहरण या अपहरण)

79

(b)

गिरोहों के विरूद्ध विशेष कानून

80

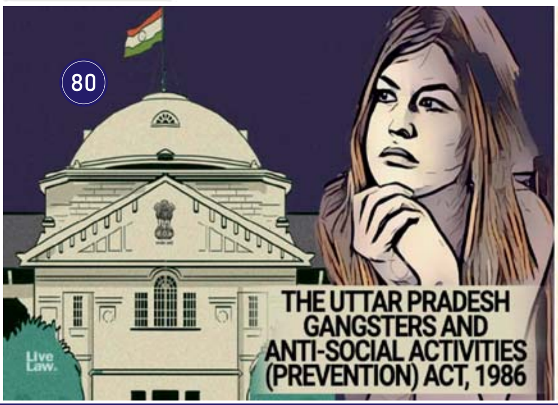

1.

UP Gangster and Anti Social Activities Prevention Act – 1986

81

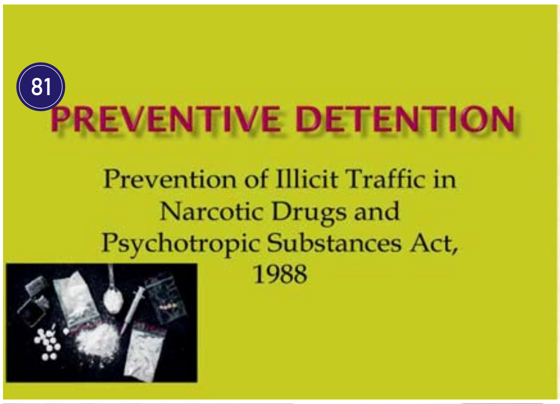

2. *The Prevention of Illicit Traffic in Narcotics Drugs and Psychotropic Substances Act - 1988*

82

3. *Immoral Traffic Prevention (Amendment) Act, 2006*

83

4. *MCOCA (1999), KCOCA (2001), DCOCA (2002) UPCOCA (2018), RCOCA (2023), HCOR Bill (2023) आदि*

84

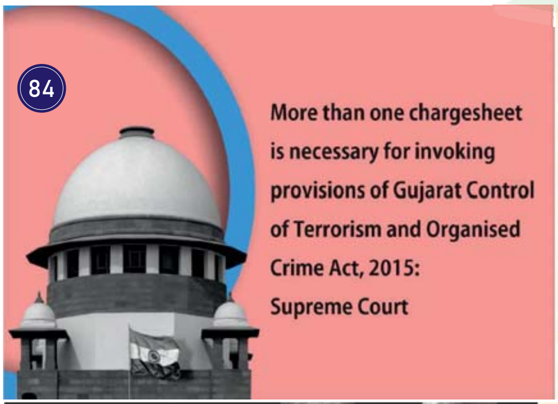

5. *Gujarat Control of Terrorism & Organised Crime Act – 2015 (Dec. 2019 से लागू)*

85

6. *The Trafficking in Persons (Preventions, Care and Rehabilitation) Bill, 2021*

86

7. *Prevention of Money Laundering Act - 2002*

87

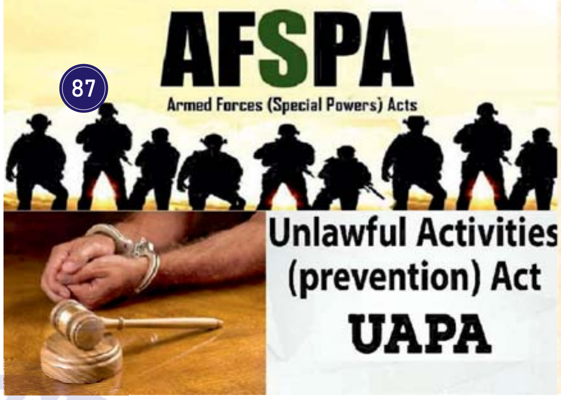

8. *AFSPA, UAPA आदि आतंकवाद को रोकने हेतु कानून*

88

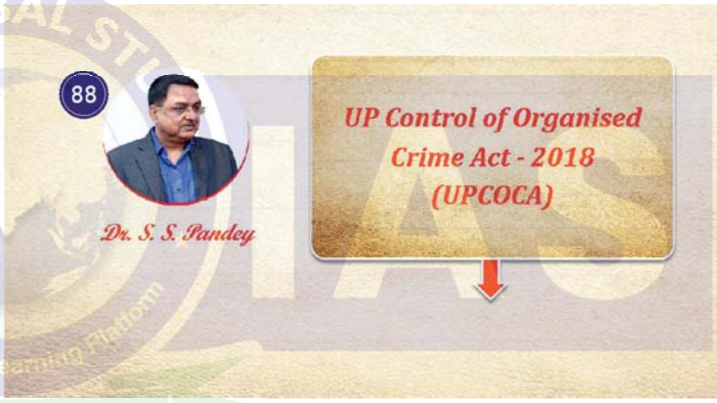

89

UPCOCA के प्रमुख प्रावधान

90

1. किसी तरह का संगठित अपराध करने वाला व्यक्ति इस कानून के दायरे में
2. इस कानून के तहत गिरफ्तार व्यक्ति को 6 माह तक जमानत नहीं
3. 30 दिन तक रिमांड एवं 180 दिनों में आरोप पत्र दाखिल करने का प्रावधान
4. अपराधी को कम-से-कम 5 साल एवं अधिकतम फांसी की सजा का प्रावधान

91

इस कानून का दुरूपयोग रोकने हेतु प्रावधान

1. कम-से-कम दो संगठित अपराध में शामिल होने एवं आरोप-पत्र दाखिल होने पर ही इस कानून के तहत केस दर्ज का प्रावधान
2. राज्य स्तर पर गृह सचिव द्वारा ऐसे मामलों की मॉनिटरिंग
3. IG रैंक के अधिकारी की संस्तुति के बाद ही केस दर्ज
4. Special Court का प्रावधान
5. अपील प्राधिकरण का प्रावधान

92

Gujrat Control of Terrorism and Organised Crime Act – 2015 (GUJCTOCA)

(1 दिसम्बर 2019 से लागू)

93

GUJCTOCA के प्रमुख प्रावधान

94

1. सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के इरादे से किया गया कोई भी कार्य, आतंकवाद की श्रेणी में शामिल [धारा-2 (1)]
2. 1 माह तक रिमांड और आरोप-पत्र पेश करने की अवधि 180 दिन तक करने का प्रावधान
3. जमानत के लिए 2 अतिरिक्त शर्तों का प्रावधान [धारा-20 (4)]

95

4. SP रैंक के पुलिस अधिकारी के समक्ष दिया गया बयान सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया जा सकता है [धारा-16 (1)]
5. टेलिफोन द्वारा जुटाये गये / टेप किये गये साक्ष्य को सबूत माना जायेगा [धारा-14]

96

संगठित अपराध के विरुद्ध विभिन्न ऑपरेशन

97

2016

एक ऑपरेशन में प्रमुख ड्रग्स तस्कर सरगना लॉरेंस बिश्नोई की गिरफ्तारी (साबरमती जेल में बंद)

98

नवम्बर - 2019

हरियाणा पुलिस द्वारा संगठित अपराध के विरुद्ध ऑपरेशन प्रहार प्रारंभ

99

रणजीत राणा चीता (ड्रग्स तस्कर) गिरफ्तार

9 मई 2020

NIA तथा हरियाणा - पंजाब पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में उत्तर भारत का ड्रग्स तस्कर सरगना रणजीत चीता गिरफ्तार

100

विक्की गोस्वामी (Drug Lord)

ममता कुलकर्णी के साथ केन्या में रहते हुए ड्रग्स तस्करी का संचालन

7 मार्च 2023 को अमेरिका द्वारा गिरफ्तार

(इनको भारत लाने का प्रयास जारी)

101

जून 2023

NCB द्वारा एक संयुक्त अभियान में केरल के तट से 12000 करोड़ रुपये का 1500 LSD ड्रग्स जब्त किया गया और 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया यह गैंग Social Media (डार्कनेट) के माध्यम से लोगों से जुड़ते थे और ड्रग्स सप्लाई करते थे और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से ड्रग्स बेच रहे थे

102

1 जनवरी 2024

केंद्र सरकार द्वारा कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को आतंकी घोषित किया गया

103

9 फरवरी 2024

कनाडा में बैठकर भारत में संगठित अपराध और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने वाले खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला को प्रत्यर्पण द्वारा कनाडा से भारत लाने को मंजूरी।

104

1 मार्च 2024

वर्तमान में कनाडा में रहते हुये भारत में संगठित अपराध को संचालित करने वाला गैंगस्टर रोहित गोदारा को भारत वापस लाने का प्रयास तेज

105

4 मार्च 2024

ED द्वारा गुजरात में एक ऑपरेशन के तहत 29 जगहों पर छापा

यह गिरोह रेड मैक्सिको के रास्ते भारतियों को अमेरिका भेजते थे

21 फरवरी 2024 को अमेरिका में शिकागो पुलिस ने प्रमुख मानव तस्कर गैंग का सरगना- हरकेश कुमार रमन लाल पटेल उर्फ डर्टी हैरी को गिरफ्तार किया था और हैरी भारत में अपने नेटवर्क द्वारा मानव तस्करी का सिंडीकेट चलाता था

106

8 मार्च 2024

NCB द्वारा भारत - ऑस्ट्रेलिया - न्यूजीलैंड में ड्रग्स की तस्करी करने वाले एक अन्तर्राष्ट्रीय गिरोह के सरगना और भारत में फिल्म निर्माता जफर सादिक को गिरफ्तार किया गया

107

मार्च 2024

NCB द्वारा नौसेना और गुजरात ATS के साथ एक अभियान में 2000 करोड़ रुपये की 3300 किग्रा. नशीली दवाएँ पकड़ी गयी है जिसको चाबाहार बंदरगाह से एक नाव से लाया जा रहा था।

108

आतंकवाद को रोकने हेतु किए गए विशेष प्रयास

109

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रयास

110

1.

INTERPOL

(International Criminal Police Org.)

के रूप में किए गए प्रयास

111

2.

UN Convention on Drugs,

1988

112

3.

UN Convention Against Trance National Org. Crime,

2000

113

4.

2001

UNCTC

(United Nation Counter Terrorism Committee) का गठन

114

5.

जुलाई 2010

भारत एवं अमेरिका के बीच Counter Terrorism Cooperation Initiative (CCI) समझौता पर हस्ताक्षर

115

6.

विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय मंचों (G-20, SAARC, BIMSTEC आदि) के माध्यम से किये गये संयुक्त प्रयास

116

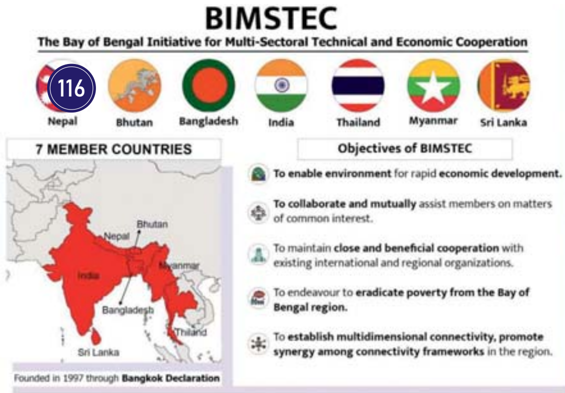

7.

10 मार्च 2016

BIMSTEC के देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, पार-देशीय अपराध, नशीले पदार्थ की तस्करी को रोकने हेतु सहयोग समझौता पर हस्ताक्षर

117

8.

विभिन्न देशों के साथ प्रत्यर्पण संधि एवं अन्य समझौते

118

9.

भारत की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा सुरक्षा प्रबंधन हेतु किए गए विशेष प्रयास

119

आतंकवाद एवं संगठित अपराध के मध्य संबंध के नियंत्रण के समक्ष चुनौतियाँ

120

1. अपर्याप्त कानून तथा जटिल एवं लेट-लतीफ न्याय व्यवस्था

2. सबूत एवं गवाह जुटाने में कठिनाई

3. Trail एवं अपराध सिद्धी का निम्न स्तर

121

4. भ्रष्टाचार

5. सुरक्षा व्यवस्था की अपर्याप्तता एवं विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का अभाव

6. राजनीतिज्ञों द्वारा संरक्षण एवं राजनीति का अपराधीकरण

7. वैश्विक सहयोग का अभाव

126

122

नियंत्रण हेतु सुझाव

127

ड्रग्स तस्करी का अर्थ

123

1. कानून व्यवस्था को मजबूत एवं न्याय व्यवस्था को सरल किया जाय

2. गवाहों की सुरक्षा एवं गोपनियता की व्यवस्था हो

3. सुरक्षा एजेंसियों का आधुनिकीकरण किया जाय

128

मादक द्रव्य निषेध कानूनों के अनुसार– मादक पदार्थों की खेती, निर्माण, वितरण और बिक्री को मादक द्रव्य तस्करी (Drugs Trafficking) कहा जाता है

124

4. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भगोड़े अपराधी के संदर्भ में प्रत्यर्पण संधि को सफल बनाया जाय

5. इन कार्यों में मीडिया का सहयोग प्राप्त किया जाय

6. इस कार्य में वैश्विक सहयोग को प्राप्त किया जाय

129

भारत में ड्रग्स तस्करी का स्वरूप

125

भारत में ड्रग्स तस्करी

130

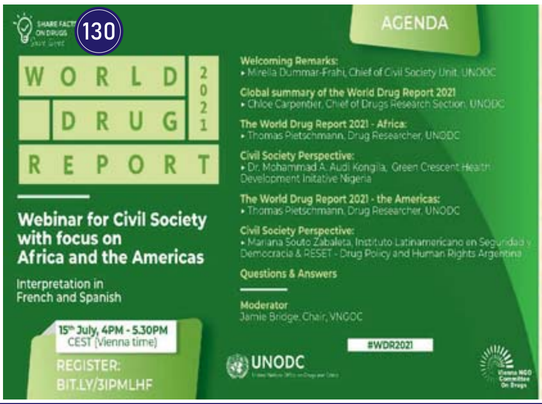

1.

वर्ल्ड ड्रग्स रिपोर्ट 2021 के अनुसार–

- 2018 के आँकड़ों के अनुसार 5 करोड़ भारतीय भांग और ओपिओइड (Opioid) का सेवन करते हैं
- लगभग 85 लाख लोग ड्रग्स का इंजेक्शन लगाते हैं
- कुल मामलों में से आधे से अधिक पंजाब, असम, हरियाणा, सिक्किम, मिजोरम जैसे राज्यों में है

2.

UNODC द्वारा जारी The world Drug Report 2023 के अनुसार 2021 में दुनिया भर में 296 मिलियन से अधिक लोगों ने ड्रग्स का इस्तेमाल किया है

Golden Triangle

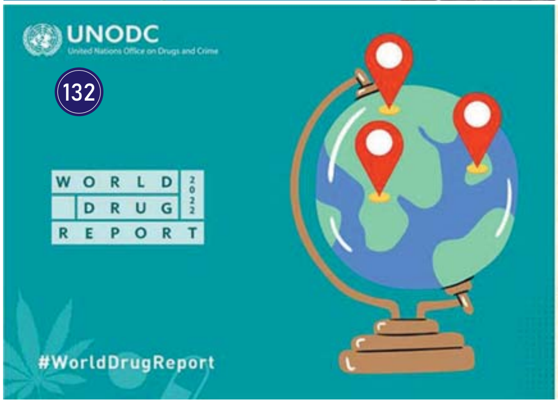

3.

UNODC द्वारा जारी The world Drug Report 2023 – वर्ष 2012-21 के बीच Drug का उपयोग करने वालों की संख्या में 23% की वृद्धि हुई है

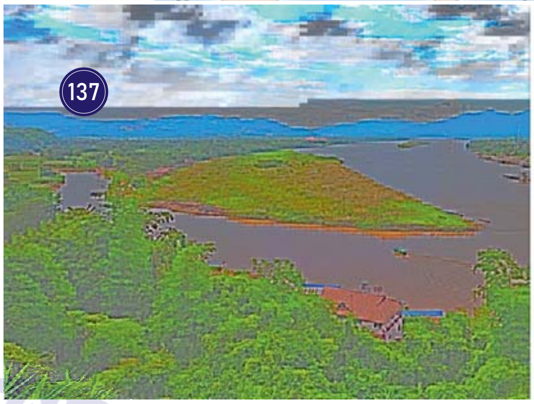

(i)

Golden Triangle वह इलाका है जहाँ थाइलैंड, लाओस और म्यांमार की सीमाएँ रूआक और मेकांग नदी के संगम पर मिलती है

4.

भारत के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) ने 2020 में 59,806 नशीली दवाओं से संबंधित मामलों को दर्ज किया जिनमें से 33,246 व्यक्तिगत उपयोग से संबंधित थे और 26,560 मामलें मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े थे

(ii)

यह क्षेत्र लगभग 9,50,000 स्क्वायर किलोमीटर में फैला हुआ है, जहाँ अवैध ड्रग्स का बड़ा कारोबार है

5.

NCRB के अनुसार– भारत में पिछले 10 वर्षों में 25,000 से ज्यादा लोगों ने नशीले पदार्थों की लत के चलते आत्महत्या कर ली है

(iii)

म्यांमार दुनिया की 80% हेरोइन का उत्पादन करता है और उत्पादन के बाद हेरोइन की तस्करी लाओस, वियतनाम, थाइलैंड और भारत के रास्ते अमेरिका, ब्रिटेन और चीन में की जाती है

6.

पिछले तीन दशकों से भारत एक ट्रांजिट हब के साथ-साथ Golden Triangle (थाइलैंड, लाओस और म्यांमार का संयुक्त सीमावर्ती इलाका) और Golden Crescent (ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान का क्षेत्र) में उत्पादित हेरोइन और हशीश के लिए प्रमुख लक्ष्य बन गया है

140

Golden Crescent

141

Golden Crescent

142

143

(i)

Golden Crescent अफीम उत्पादन और वितरण के लिए एक प्रमुख वैश्विक स्थल है

144

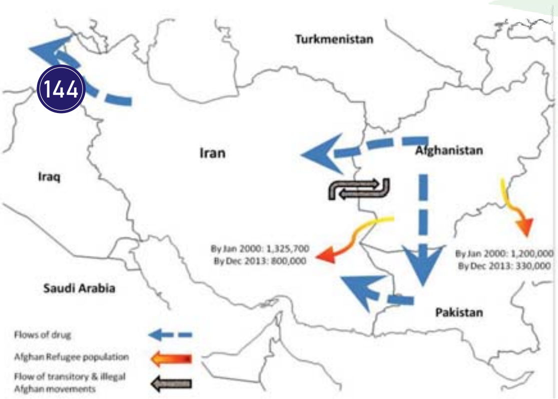

(ii)

ये ईरान, अफगानिस्तान पाकिस्तान के वे क्षेत्र हैं जो ड्रग्स की तस्करी के लिए जाने जाते हैं

145

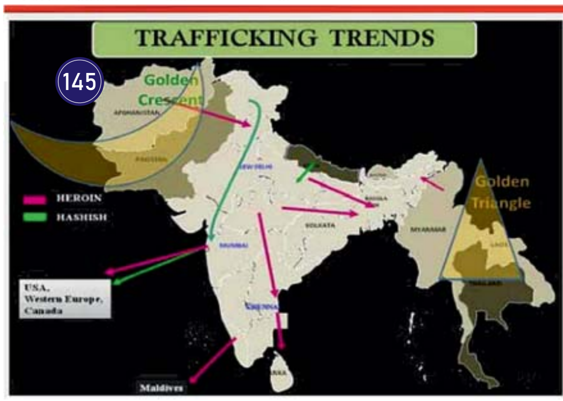

(iii)

Golden Crescent से प्रभावित भारतीय राज्य जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात हैं

146

ड्रग्स तस्करी हेतु प्रयुक्त भारत की सीमाएँ

147

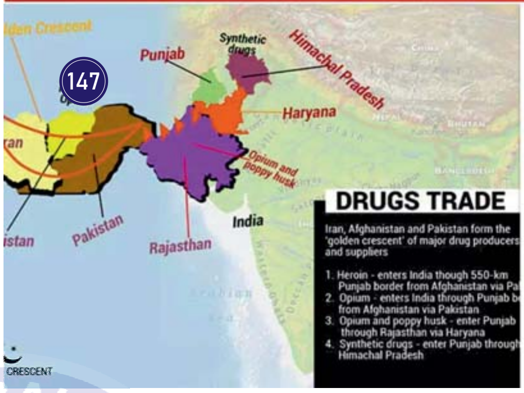

(i)

Golden Crescent से भारत-पाकिस्तान सीमा की निकटता के कारण यह हेरोइन और हशीश की तस्करी के लिए प्रमुख मार्ग है

148

(ii)

भारत नेपाल सीमा से हशीश और मारिजुआना को भारत में तस्करी करके लाया जाता रहा है

149

(iii)

भारत-म्यांमार सीमा की **Golden Triangle** से निकटता, उत्तर पूर्वी राज्यों में स्थानीय आबादी के बीच नशीली दवाओं की बढ़ती माँग और उत्तर-पूर्व में राजनीतिक अस्थिरता के कारण, यह सीमा हेरोइन की तस्करी का प्रमुख मार्ग बना हुआ है

150

(iv)

भारत - बांग्लादेश सीमा से हेरोइन, मुरिजुआना / गांजा, हशीश, ब्राउन शुगर आदि नशीले पदार्थों की तस्करी की जाती है

151

भारत में ड्रग्स के बढ़ते उपयोग के कारण

152

(i) कुलीन / अमीर लोगों में इसके सेवन की स्वीकृति

(ii) बढ़ता उपभोक्तावाद एवं आर्थिक तनाव में वृद्धि

(iii) गरीबी एवं बेरोजगारी

153

(iv) वैश्वीकरण एवं सांस्कृतिक मूल्यों में बदलाव

(v) इससे मिलने वाला न्यूरोटिक सुख

(vi) अप्रभावी कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ

154

ड्रग्स के सेवन का प्रभाव

155

(i) दुर्घटना, घरेलू हिंसा की घटनाएँ, चिकित्सा समस्याएँ तथा मृत्यु का खतरा

(ii) आर्थिक विकास दुष्प्रभावित

(iii) अन्तर्पारस्परिक संबंध दुष्प्रभावित

156

(iv) आत्मसम्मान में कमी, हीन भावना, निराशा, आपराधिक गतिविधि और आत्मघाती प्रवृत्ति का उद्भव

(v) अनेक गंभीर बीमारियों का खतरा

157

ड्रग्स तस्करी रोकने हेतु भारत सरकार की रणनीति

158

159

(i) कठोर कानून का निर्माण करना

(ii) सीमाओं और तटों की भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित करना

(iii) पड़ोसी देशों से सहयोग प्राप्त करना

(iv) मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने में स्वैच्छिक संगठनों के साथ सहयोग करना

160

मादक पदार्थों की तस्करी का मुकाबला करने के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयास

161

(i)

Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985, 1988, 2001, 2014, 2021

162

- इस अधिनियम के तहत, औषधीय और वैज्ञानिक उद्देश्यों को छोड़कर सरकार द्वारा अधिकृत सभी नशीले पदार्थों और मनोदैहिक पदार्थों की खेती, निर्माण, परिवहन, निर्यात और आयात निषिद्ध
- यदि कोई व्यक्ति दूसरी बार ड्रग्स की तस्करी करते पकड़ा जाता है तो अपराधी को मृत्युदंड तक की सजा का प्रावधान

163

(ii)

1989 में सरकार द्वारा नारकोटिक्स ड्रग्स की अवैध ट्रैफिकिंग से निपटने में आने वाले खर्च को पूरा करने हेतु National Fund for Control of Drug Abuse की स्थापना

164

(iii)

2016 में Narco Coordination Centre का गठन और राज्य में 'नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरों' की मदद के लिए 'वित्तीय सहायता योजना' को पुनर्जीवित करने का प्रयास

165

ड्रग्स तस्करी नियंत्रण में आम आदमी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये नया हेल्प लाइन नंबर 1933 शुरू

166

(iv)

2016 में उत्तर-पूर्वी राज्यों में बढ़ते HIV के प्रसार से निपटने हेतु, विशेष रूप से ड्रग्स इंजेक्शन का प्रयोग करने वाले लोगों में इसके प्रयोग को रोकने हेतु Project Sunrise प्रारंभ

167

ड्रग्स तस्करों का पकड़ने हेतु विभिन्न ऑपरेशन

168

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रयास

169

अन्तर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस 26 जून

170

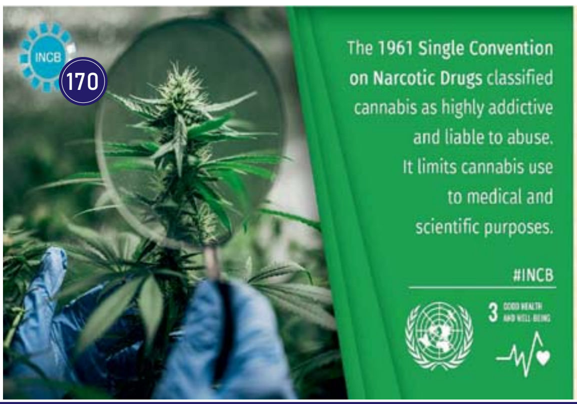

(i)

UN Convention on Narcotics Drugs - 1961

171

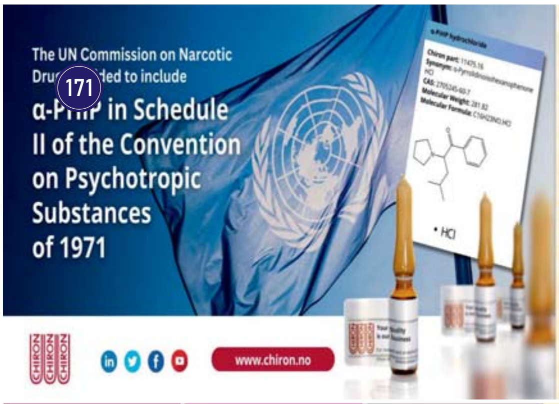

(ii)

UN Convention on Psychotropic Substances - 1971

172

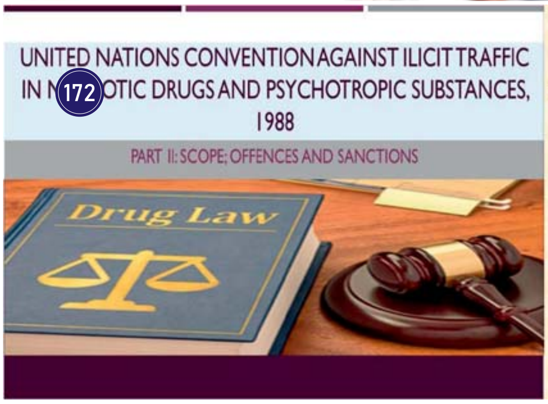

(iii)

UN Convention Against Illicit Trafics in Narcotics Drugs & Psychotropic Substances - 1988

173

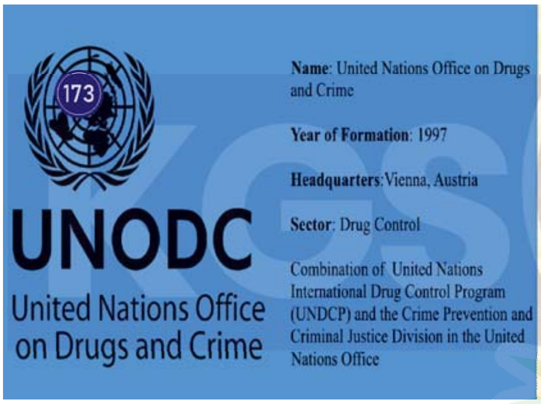

(iv)

1997 में ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNODC) की स्थापना (2012) जो ड्रग्स कंट्रोल एवं अपराध रोकथाम की दिशा में कार्य करता है

174

(v)

UN Convention Against Transnational Organised Crime - 2000

175

ड्रग्स की तस्करी रोकने हेतु सुझाव

176

(i) मादक द्रव्यों के बारे में शिक्षा का प्रसार किया जाय

(ii) चिकित्सकों की अभिवृत्तियों को बदला जाय

(iii) अनुपरीक्षण (Follow Up) अध्ययन

(iv) माता-पिता द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका का निष्पादन

177

(v) चिकित्सा, योग, मनोवैज्ञानिक उपचार आदि का सहारा

(vi) कठोर कानून का निर्माण, कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार और ड्रग्स माफिया पर नियंत्रण

(vii) भ्रष्टाचार पर नियंत्रण

178

(viii) ऐसे राज्यों में जहाँ ड्रग्स के दुरूपयोग के मामले ज्यादा है, वहाँ पर प्रभावी और सस्ते पुनर्वास केन्द्रों की स्थापना

(ix) सीमा सुरक्षा प्रबंधन, संगठित अपराध पर नियंत्रण और इस दिशा वैश्विक सहयोग की प्राप्ति

179

भारत में मानव तस्करी

180

181

मानव तस्करी का अर्थ एवं वैश्विक स्वरूप

186

1\.

ILO के अनुसार– 2019 में लगभग 2 करोड़ से अधिक लोग आधुनिक गुलामी के शिकार हुए हैं इनमें से 68% बंधुआ मजदूरी के शिकार हुए हैं और 22% देह व्यापार और मानव अंग की तस्करी के शिकार हुए हैं

182

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार–

किसी व्यक्ति को बल प्रयोग कर, डराकर, धोखा देकर, हिंसक तरीकों से भर्ती करना तस्करी या बंधक बनाकर रखना मानव तस्करी (Human Trafficking) के अंतर्गत आता है।

187

National Crime Records Bureau

2\.

2023 राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरों (NCRB) की रिपोर्ट 2023 के अनुसार–

183

इसमें पीड़ित व्यक्ति से देह व्यापार, घरेलू काम, गुलामी, भीख मंगवाना, अंगों का व्यापार, अपराध इत्यादि कार्य उनकी इच्छा के विरुद्ध कराये जाते हैं।

वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार मानव तस्करी का सबसे बड़ा रूप यौन शोषण फिर बलात् श्रम है।

188

(i)

मानव तस्करी देश का दूसरा सबसे बड़ा अपराध है जो पिछले 10 वर्षों में 25 गुना बढ़ा है और 2020 में इसमें 60% बढ़ोत्तरी हुई है

184

मानव तस्करी वर्तमान विश्व के सम्मुख उपस्थित कई बड़ी समस्याओं में से एक है और विश्व में मानव तस्करी का कुल कारोबार – 150.2 अरब डॉलर का है

189

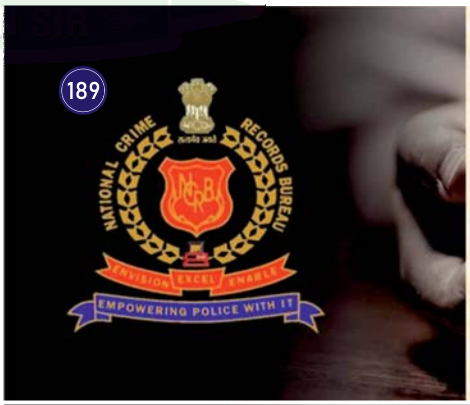

(ii)

देश में हर दिन मानव तस्करी के औसतन 6 मामले दर्ज हो रहे हैं। सबसे ज्यादा तस्करी जबरन मजदूरी और यौन शोषण / वेश्यावृत्ति के लिए की जा रही।

आंकड़ों के मुताबिक, 3 वर्षों (2020 से 2022) में मानव तस्करी के मामले में 24% की वृद्धि हुई है। 2020 में जहां 1,714 मामले दर्ज हुए थे, तो 2022 में ये बढ़कर 2,250 हो गए।

185

भारत में मानव तस्करी का स्वरूप

190

(iii)

भारत में वर्ष 2022 में 6,500 से अधिक मानव तस्करी पीड़ितों की पहचान की गई, जिनमें से 60% महिलाएँ और लड़कियाँ थीं

191

(iv)
सरकार के मानव तस्करी विरोधी विभागों ने 2020 में मानव तस्करी के 1714 मामलों को दर्ज किया जिसमें केवल 49 मामलों में दोष सिद्ध हुआ

192

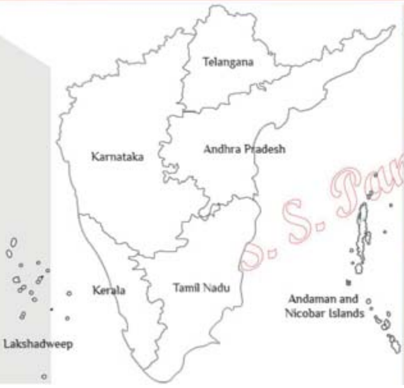

(v)
महाराष्ट्र और तेलंगाना में सबसे ज्यादा मानव तस्करी के क्रमशः 184 और 184 केस दर्ज किये गये और आन्ध्र प्रदेश और केरल में उसके बाद क्रमशः 171 और 166 केस दर्ज किये गये

193

(vi) 2020 में देश भर में 18 साल से कम उम्र के 2,222 बच्चों सहित 4,709 पीड़ितों की तस्करी की गई

(vii) 2020 में देश भर में 59262 बच्चे लापता हुए

(viii) देश में प्रत्येक 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है

194

3.
2024 में अमेरिका द्वारा जारी मानव तस्करी पर 'वैश्विक रिपोर्ट' में भारत को टियर-2 श्रेणी में रखा गया है अर्थात भारत सरकार तस्करी के उन्मूलन के लिये न्यूनतम मानकों को पूरा नहीं कर पाई है

195

भारत में मानव तस्करी के लिये उत्तरदायी कारण

196

1.
गरीबी एवं निरक्षरता

197

2.
बाल श्रम एवं बंधुआ मजदूरी का प्रचलन

198

3.
देह व्यापार

199

4.
क्षेत्रीय लैंगिक असंतुलन

200

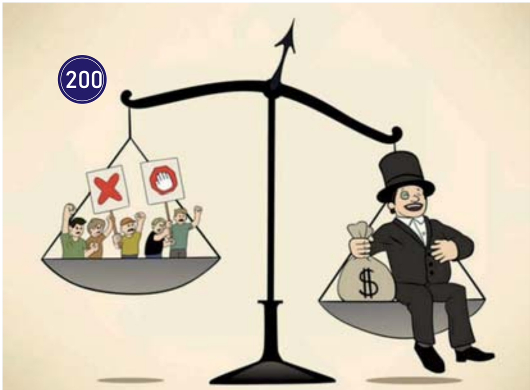

5.
सामाजिक असमानता एवं बेहतर जीवन की लालसा

201

6.

महानगरों में घरेलू कामों के लिये लड़कियों की तस्करी

202

7.

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के लिये बच्चों की तस्करी

203

8.

मानव अंगों की तस्करी हेतु मानव तस्करी

204

भारत सरकार द्वारा मानव तस्करी पर नियंत्रण हेतु किये गये प्रयास

205

Article 23 Of The Indian Constitution

1.

भारत के संविधान के अनुच्छेद-23(1) में मानव तस्करी को प्रतिबंधित किया गया है तथा इसे दंडनीय अपराध बनाया गया है।

206

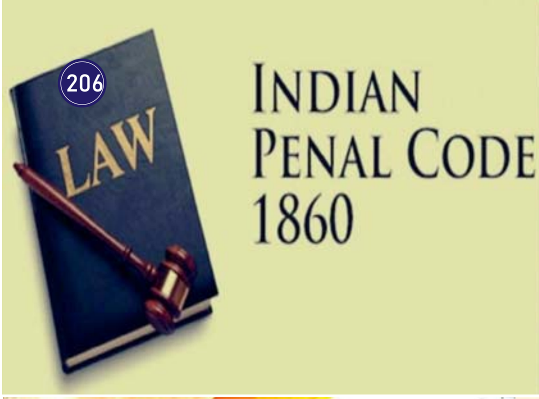

2.

भारतीय दंड संहिता, 1860 मानव तस्करी को दंडनीय अपराध मानता है

207

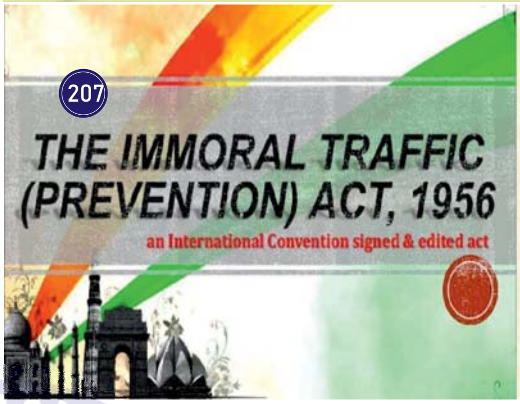

3.

1956

यौन उत्पीड़न के लिए मानव तस्करी के संबंध में Immoral Traffic Prevention Act (ITPA) 1956, 1986 का निर्माण

208

The Bonded Labour System (Abolition) Act

4.

1976

Bonded Labour System (Abolition) Act, 1976

209

The Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986.

5.

1986, 2006, 2016

Child Labour (Prohibition & Regulation) Act, 1986, 2006, 2016

(बालश्रम को रोकने हेतु)

210

Protection of Children from Sexual Offences Act (POCSO Act) 2012

6.

2012

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम

14 नवंबर, 2012 को अधिनियमित यह अधिनियम बच्चों को यौन दुर्व्यवहार व शोषण से सुरक्षित करने हेतु समर्पित है

7.

1979

Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women- CEDAW -

1993 में भारत द्वारा अनुमोदन

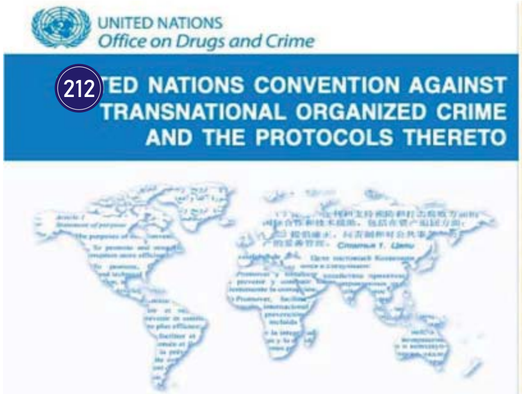

8.

2011 में भारत द्वारा UN Convention Against Transnational Organised Crime, 2000 को मंजूरी

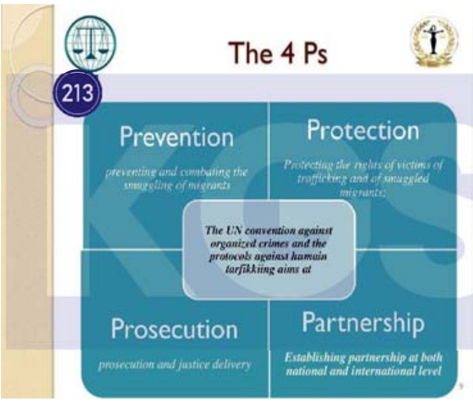

9.

भारत सरकार द्वारा 4'P' मॉडल

Prosecution (अभियोजन),
Protection (संरक्षण),
Prevention (रोकथाम)
Partnership (भागीदारी)

के माध्यम से मानव तस्करी से लड़ने की योजना पर कार्य

10.

National Anti-Trafficking Bureau का गठन

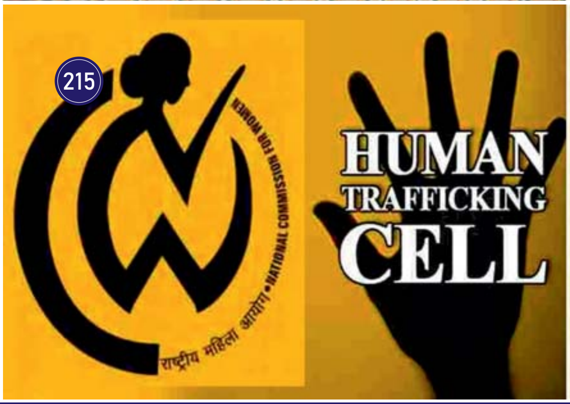

11.

2006

मानव तस्करी को रोकने हेतु किए जा रहे प्रयासों पर निगरानी के लिए MHA में Anti-Trafficking Cell (ATC) का गठन

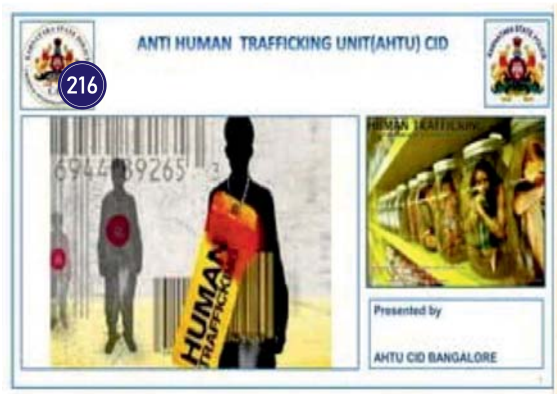

12.

MHA द्वारा देश के 270 जिलों में Anti Human Trafficking Unit (AHTU) का गठन

यह देश के सभी 800 जिलों में गठित किया जा रहा है

13.

देश के 10,000 पुलिस स्टेशनों में 'Women Help Desk' की स्थापना

14.

बाल विकास मंत्रालय द्वारा Trackthemissingchild.gov.in नामक एक वेबसाइट का निर्माण जिसमें मानव तस्करी से संबंधित जानकारी हासिल की जा सकती है

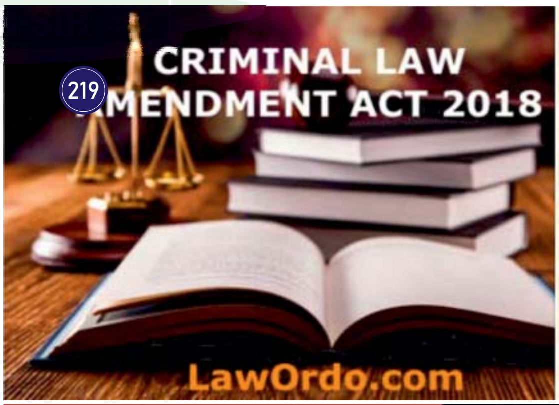

15.

2018

Criminal Law (Amendment) Act, 2018 के तहत मानव तस्करी से निपटने के लिए कानूनी उपायों को मजबूती प्रदान की गई है

16.

फरवरी 2022

RPF द्वारा मानव तस्करी रोकने हेतु 'Operation AAHT Launch'

221

17.

2023

आरपीएफ ने सितम्बर 2023 के दौरान, ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत 895 बच्चों (लड़के-573 और लड़की-322) को बचाया

222

18.

मार्च 2022 और अक्टूबर 2023

हाल ही में..... इंटरपोल ने ऑपरेशन स्टॉर्म मेकर्स II का संचालन किया जिसमें मानव तस्करी के शिकार लोगों का उपयोग करते हुए चलाये जा रहे धोखाधड़ी योजनाओं के बढ़ते नेटवर्क को उजागर किया गया है

223

समीक्षा एवं सुझाव

224

निश्चित रूप से....

उपरोक्त प्रयासों से मानव तस्करी को नियंत्रित किया गया है परन्तु इसमें विशेष सफलता प्राप्त नहीं हो सकी है।

अमेरिका ने अपने रिपोर्ट में भारत को टियर-2 श्रेणी में रखा है, जिसका अभिप्राय है कि भारत द्वारा इस दिशा में प्रयास तो किये जा रहे हैं, लेकिन पूर्णतया प्रभावी साबित नहीं हो पा रहे हैं।

225

यद्यपि भारत सरकार ने देश में पीड़ितों की पहचान करना, अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई और सज़ा, पीड़ित महिलाओं और बच्चों के लिये विशेष कार्ययोजना तैयार करना, पुनर्वास, आश्रय स्थलों और रोज़गार के इंतज़ाम के लिये बजट में बढ़ोत्तरी आदि उपाय किये हैं ... लेकिन अभी भी इस दिशा में काफी कुछ किया जाना बाकी है और इसके लिए कुछ सुझावों पर अमल आवश्यक हैं....

226

सुझाव

227

1. इस दिशा में कठोर कानून का निर्माण और पहले से विद्यमान अन्य कानूनों के साथ समायोजन स्थापित किया जाए।
2. भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करते हुए कानून को सख्ती से लागू किया जाए

228

3. न्याय प्रक्रिया को सरल एवं त्वरित किया जाय
4. लोगों को एक समाज के रूप में जागरूक किया जाय और तस्करी से संबंधित अपराध के बारे में बच्चों को शिक्षित किया जाय

229

5. राजनीति और अपराध के गठजोड़ को समाप्त किया जाय और संगठित अपराध पर नियंत्रण स्थापित किया जाय
6. संगठित अपराध पर नियंत्रण हेतु वैश्विक सहयोग को प्राप्त किया जाय

230

व्यक्तियों की तस्करी (रोकथाम, देखभाल, पुनर्वास) विधेयक, 2021

231

प्रमुख लक्षण / प्रावधान

232

1. इसका विस्तार देश के भीतर और देश के बाहर निवास करने वाले सभी नागरिकों तक
2. यह कानून सीमा-पार व्यक्तियों की तस्करी से संबंधित प्रत्येक अपराध पर लागू
3. पीड़ितों के रूप में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर के साथ कोई भी अन्य व्यक्ति शामिल जो तस्करी का शिकार हो सकता है

233

4. जबरन मजदूरी जैसे मामले, जिसमें लोग नौकरी के लालच में दूसरे देशों में चले जाते हैं, जहाँ उनके पासपोर्ट और दस्तावेज छीनकर उन्हें काम पर लगाया जाता है, भी इस नए कानून के दायरे में शामिल
5. तस्करी के अधिकतर मामलों में कम-से-कम सात वर्ष की सजा का प्रावधान जिसे 10 वर्षों तक की कैद और 5 लाख रुपए के जुर्माने तक बढ़ाया जा सकता है

234

6. मानव तस्करी से अर्जित धन और मानव तस्करी के लिए उपयोग की गई संपत्ति को धन शोधन (Money Laundering) की तरह समझ कर जब्त करने का प्रावधान
7. NIA मानव तस्करी की रोकथाम और उससे निपटने हेतु उत्तरदायी राष्ट्रीय जाँच तथा समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करेगी (2019 में NIA Act 2008 में संशोधन)
8. राष्ट्रीय मानव तस्करी विरोधी समिति तथा राज्य एवं जिला स्तर पर मानव तस्करी-रोधी समितियों का गठन का प्रावधान

235

व्यक्ति के तस्करी (रोकथाम, देखभाल, पुनर्वास) विधेयक, 2021 की समीक्षा

236

1. व्यक्ति के तस्करी (रोकथाम, देखभाल, पुनर्वास) विधेयक, 2021 निश्चित रूप से मानव तस्करी को रोकने के लिए एक प्रभावी कदम है
2. इस विधेयक की आलोचना करते हुए कहा गया है कि "जबरन श्रम और यौन शोषण" पर पहले से ही कानून है, जिससे अब बहुत अधिक ओवरलैपिंग है और यह कानून स्पष्ट नहीं करता है कि कौन सा कानून लागू होगा

237

3. फिर भी इस विधेयक में मानव तस्करी को रोकने के संबंध में कई कारगर कदम उठाये गये हैं जिससे यह कानून मानव तस्करी को रोकने में कारगर हो सकता है

NOTE: 3 अक्टूबर 2022 – सुप्रीम कोर्ट ने मानव तस्करी को रोकने के लिए कानून बनाने पर केन्द्र सरकार से जवाब मांगा

238

संभावित प्रश्न

239

- संगठित अपराध क्या है? आतंकवाद से इसकी नजदीकियों के कारण इसमें क्या जटिलताएँ उभरी है? स्पष्ट कीजिए।
- भारत में संगठित अपराध और आतंकवाद को रोकने हेतु किए गए सरकारी प्रयासों का मूल्यांकन कीजिए और इस दिशा में उपयुक्त उपाय सुझाइए?

240

- वैश्वीकरण के साथ-साथ संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच घनिष्ठता बढ़ी है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए और इस घनिष्ठता के परिणामों की चर्चा कीजिए?
- भारत में हाल के वर्षों में आतंकवाद और संगठित अपराध के मध्य संबंध ने देश की सुरक्षा चिंता को बढ़ा दिया है। इस कथन को प्रतिपादित कीजिए और इसके लिए उत्तरदायी कारणों की चर्चा कीजिए।

241

- हाल के वर्षों में आतंकवाद एवं संगठित अपराध पर नियंत्रण हेतु कई राज्यों द्वारा सख्त कानून का निर्माण किया गया है। इस कानून की महता को रेखांकित करते हुए इस दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर एक कठोर कानून के निर्माण की आवश्यकता को दर्शाइए।
- आतंकवाद और संगठित अपराध के मध्य संबंध आज आतंरिक सुरक्षा के समक्ष प्रमुख चुनौती बनकर उभरी है जिसका खात्मा बिना वैश्विक सहयोग के संभव नहीं है। इस कथन को प्रतिपादित कीजिए और इस दिशा में किए गए प्रयासों की समीक्षा कीजिए।

242

- ड्रग्स की तस्करी सीमा पार संगठित अपराध का एक प्रमुख रूप है जिसने न केवल आतंकवाद की समस्या को मजबूत किया है बल्कि नशा आतंकवाद के रूप में राष्ट्र के समक्ष एक नवीन सुरक्षा चुनौती को भी उत्पन्न किया है। इस कथन के प्रकाश में ड्रग्स तस्करी को रोकने हेतु किए गए प्रयासों की समीक्षा कीजिए।
- मानव तस्करी वर्तमान भारत की एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती है जिस पर नियंत्रण हेतु कई स्तरों पर सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इस समस्या की जटिलता को देखते हुए एक व्यापक राष्ट्रीय मानव तस्करी नियंत्रण कानून की आवश्यकता को प्रतिपादित कीजिए।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR